Vol. 14, Sp. Issue: 1, December: 2025
ISSN: (P) 2347-5412 ISSN: (O) 2320-091X

सामाजिक सद्भाव और राष्ट्र निर्माण में आई के एस और एनईपी 2020 की भूमिका

श्रीमती चंदा सिंह

सहायक प्राध्यापक, संत हरकेवल शिक्षा महाविद्यालय, अम्बिकापुर, सरगुजा, (छ.ग.)

सारांश

शिक्षा किसी भी राष्ट्र की सामाजिक समरसता, प्रगतिशीलता और दीर्घकालिक विकास का मूल आधार मानी जाती है। वास्तविक शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञानार्जन नहीं, बल्कि समाज को एक संगठित, संवेदनशील तथा मूल्य-आधारित दिशा प्रदान करना है। इसी दृष्टि से भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS) तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP-2020) दोनों ही ऐसे वैचारिक ढाँचे प्रस्तुत करते हैं, जो सामाजिक सद्भाव, एकता, समानता एवं सहअस्तित्व की भावना को सुदृढ़ करते हैं। भारतीय ज्ञान प्रणाली व्यक्ति को वैज्ञानिक एवं तार्किक सोच के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक जड़ों, परंपराओं एवं मान्यताओं से जोड़ती है। यह विविधता को स्वीकार करते हुए 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की विचारधारा को अपनाने की प्रेरणा प्रदान करती है। दूसरी ओर, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 शिक्षा को अधिक समावेशी, बहुविषयक, मातृभाषा-आधारित, प्रौद्योगिकी-सक्षम एवं कौशल-केंद्रित बनाकर सामाजिक सहभागिता, समान अवसर और संवेदनशील नागरिकता का निर्माण करने पर बल देती है। दोनों ढाँचों का संयुक्त विश्लेषण यह स्पष्ट करता है कि IKS जहाँ सांस्कृतिक बोध, ज्ञान परंपरा, पर्यावरणीय संतुलन और नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करता है, वहीं NEP-2020 आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार, डिजिटल दक्षता, जीवन कौशल और 21वीं सदी की आवश्यक क्षमताओं को विकसित करने पर केंद्रित है। परिणामस्वरूप, दोनों मिलकर शिक्षा को एक ऐसी दिशा प्रदान करते हैं जो पारंपरिक ज्ञान + आधुनिक विज्ञान के समन्वय से एक समृद्ध, सशक्त और सद्भावपूर्ण समाज का निर्माण करती है। IKS छात्रों में पहचान, आत्मविश्वास और सांस्कृतिक गौरव जागृत करती है, जबकि NEP-2020 उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने हेतु आवश्यक कौशल प्रदान करती है। अतः यह कहा जा सकता है कि IKS और NEP का सम्मिलित ढाँचा एक ऐसे उत्तरदायी, नैतिक, वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाले तथा भावनात्मक रूप से परिपक्व नागरिकों के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण है, जो राष्ट्र निर्माण के वास्तविक स्तंभ माने जाते हैं।

की-वर्ड्स - भारतीय ज्ञान प्रणाली, सामाजिक सद्भाव, समावेशी शिक्षा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, नैतिक मूल्य, नवाचार, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, सांस्कृतिक विरासत, समग्र विकास, सतत् शिक्षा।

परिचय

भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS) भारत की हजारों वर्षों पुरानी वैज्ञानिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और दार्शनिक परंपराओं का सुव्यवस्थित निरूपण है। यह केवल प्राचीन ग्रंथों का अध्ययन नहीं, बल्कि उनके अंतर्निहित सिद्धांतों को आधुनिक संदर्भों में समझने और समाजहित में प्रयोग करने की प्रक्रिया है। IKS व्यक्ति के समग्र विकास बौद्धिक, भावनात्मक, नैतिक, आध्यात्मिक पर बल देती है तथा जीवन को एक समग्र इकाई के रूप में देखने की दृष्टि प्रदान करती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP-2020) वर्तमान समय की चुनौतियों, सामाजिक आवश्यकताओं तथा वैश्विक परिवर्तनशील संरचनाओं को ध्यान में रखकर निर्मित एक प्रगतिशील और व्यापक

Vol. 14, Sp. Issue: 1, December: 2025
ISSN: (P) 2347-5412 ISSN: (O) 2320-091X

शिक्षा नीति है। इसका मुख्य उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण, न्यायसंगत, कौशल-आधारित, बहुविषयक तथा समग्र शिक्षा प्रणाली की स्थापना करना है। यह नीति छात्र-केंद्रित शिक्षण, लचीले विकल्प, मातृभाषा-आधारित शिक्षा, डिजिटल शिक्षा, नवाचार, अनुसंधान, बहुविषयकता और मूल्य-आधारित शिक्षा पर विशेष बल देती है। दोनों ढाँचों का समन्वय भारत के लिए एक ऐसी शिक्षा पद्धति का निर्माण करता है जो परंपरा और आधुनिकता के संतुलित समागम से समृद्ध समाज और सशक्त राष्ट्र निर्माण का मार्ग प्रशस्त करती है।

संबंधित साहित्य की समीक्षा

1. **रणछोड़दास एवं अन्य (2020)** ने शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का मुख्य स्तंभ माना तथा बताया कि किसी भी देश की प्रगति केवल आर्थिक वृद्धि से नहीं, बल्कि उसकी शिक्षा प्रणाली, समान अवसर, नैतिक मूल्यों और मानव संसाधन के विकास से होती है।
2. **डॉ. नागराजन** ने IKS को "भारत की हजारों वर्षों की जीवित सभ्यता का सामूहिक ज्ञान" बताया है, जिसमें विज्ञान, समाज, मानव मूल्य और प्रकृति के संतुलन का अद्वितीय समावेश है।
3. **प्रो. श्रीधर** के अनुसार भारतीय ज्ञान परंपरा उन सभी आयामों का समेकन है जहाँ विज्ञान, आध्यात्म, नैतिकता, कला और व्यवहार आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं, जिससे शिक्षा का बहुआयामी ढाँचा निर्मित होता है।
4. **शिक्षा मंत्रालय (2020)** ने NEP को एक समावेशी, गुणवत्तापूर्ण और कौशल-केंद्रित नीति बताया है, जिसका उद्देश्य प्रत्येक विद्यार्थी में आलोचनात्मक चिंतन, समस्या–समाधान क्षमता, रचनात्मकता और जीवन कौशलों का विकास करना है।
5. **कस्तूरीरंगन समिति (2020)** ने NEP को "भारत की सांस्कृतिक विरासत तथा आधुनिक ज्ञान परंपरा के एकीकरण पर आधारित समग्र शिक्षा" बताया है, जो 21वीं सदी के अनुरूप बदलती आवश्यकताओं को पूरा करती है।

उद्देश्य

1. भारतीय ज्ञान प्रणाली और NEP-2020 की अवधारणाओं को सामाजिक सद्भाव और राष्ट्र निर्माण के संदर्भ में विश्लेषित करना।
2. यह समझना कि IKS सांस्कृतिक पहचान, नैतिकता और वैज्ञानिक सोच को किस प्रकार विकसित करती है।
3. NEP-2020 द्वारा प्रस्तुत समावेशी, बहुविषयक और कौशल-आधारित शिक्षा मॉडल का मूल्यांकन करना।
4. दोनों के सामंजस्य से सामाजिक समरसता, नागरिक उत्तरदायित्व और राष्ट्रीय एकता को कैसे सुदृढ़ किया जा सकता है, इसका परीक्षण करना।

अध्ययन की आवश्यकता

- दोनों प्रणालियाँ समग्र शिक्षा पर बल देती हैं—भावनात्मक, बौद्धिक, नैतिक और सामाजिक विकास।
- IKS सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ाव बढ़ाती है, जबकि NEP-2020 आधुनिक अनुसंधान और तकनीक आधारित शिक्षा को प्रोत्साहित करती है।
- इन दोनों का अध्ययन भारत के युवाओं को "स्थानीय रूप से जड़ित, पर वैश्विक रूप से सक्षम" बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है।
- यह संयोजन रोजगार, नवाचार, उद्यमिता और कौशल विकास के नए द्वार खोलता है।

Vol. 14, Sp. Issue: 1, December: 2025
ISSN: (P) 2347-5412 ISSN: (O) 2320-091X

- सामाजिक समरसता, शामिलीकरण और वंचित वर्गों की शिक्षा तक पहुँच बढ़ाना इनका प्रमुख लक्ष्य है।

शोध विधि

यह अध्ययन वर्णनात्मक एवं सर्वेक्षण–आधारित मिश्रित पद्धति पर आधारित है, जिसमें गुणात्मक एवं मात्रात्मक दोनों प्रकार के डेटा का विश्लेषण किया गया है।

भविष्य की उपादेयता

- सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े वैश्विक स्तर पर सक्षम नागरिकों का निर्माण।
- शिक्षा में मूल्यपरकता, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व का सुदृढ़ीकरण।
- आत्मनिर्भर भारत व सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में सहयोग।
- बहुविषयक, शोध-उन्मुख एवं कौशल-समृद्ध शिक्षा प्रणाली का विकास।
- सामाजिक सद्भाव, समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने में सहयोग।

उपसंहार

IKS और NEP-2020 मिलकर भारत के शैक्षिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास को एक नई दिशा प्रदान करते हैं। जहाँ IKS प्राचीन ज्ञान, मूल्यों और सांस्कृतिक समृद्धि को संरक्षित व विकसित करता है, वहीं NEP-2020 आधुनिक विज्ञान, तकनीक, कौशल और अनुसंधान आधारित शिक्षा को बढ़ावा देता है। दोनों मिलकर ऐसे नागरिकों का निर्माण करते हैं जो संवेदनशील, उत्तरदायी, नवाचारी, वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाले एवं समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पित हों। इस प्रकार, दोनों मिलकर भारत को एक मजबूत, समावेशी, सद्भावपूर्ण और ज्ञान-समृद्ध राष्ट्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

संदर्भ

- *शिक्षा मंत्रालय। (2020)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020। भारत सरकार।*
- *नागराजन, आर. (2019)। भारतीय ज्ञान प्रणालियों की नींव। चेन्नई: आईकेएस प्रभाग।*
- *सोनी, एम., और दहिया, बी. टी. (2024)। छात्रों के सामाजिक कौशल विकास पर एनईपी 2020 का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी, 12(2), 4254–4258।*
- *श्रीधर, के. (2018)। भारतीय ज्ञान परंपराएँ: एक समग्र दृष्टिकोण। नई दिल्ली: हेरिटेज पब्लिशर्स।*
- *स्मिता, वी. (2020)। शिक्षक शिक्षा में एनईपी-2020 के अवसर और चुनौतियाँ। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, 11(11), 1881–1886।*